www.nagaurdaily.com

RNI Title-Code :- RAJBIL27027

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

पीएम की सुरक्षा में चूक

फिरोजपुर रैली रद्द

- गृह मंत्रालय ने पंजाब पुलिस से मांगी रिपोर्ट
- बीजेपी का आरोप- कांग्रेस की साजिश

चंडीगढ़.

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिरोजपुर रैली रद्द होने को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का दावा है कि पंजाब में पीएम की सुरक्षा में चूक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले को करीब 15-20 मिनट तक एक फ्लाईओवर पर रुकना पड़ा। जहां प्रदर्शनकारियों ने जाम लगा रखा था। इसी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिरोजपुर रैली में जाने के बजाय वापस लौट गए। वहीं, यह भी सामने आ रहा है कि फिरोजपुर रैली में बारिश की वजह से भीड़ नहीं जुटी थी। इसके अलावा पंजाब में जगह-जगह भाजपा की रैली का विरोध हो रहा था। रैली में जा रहे भाजपा वर्करों को भी रोका गया। पीएम मोदी को 1 बजे रैली में पहुंचना था लेकिन 2 बजे बताया गया कि पीएम रैली में नहीं आएंगे। इसके पीछे पहले खराब मौसम बताया गया।

नहीं थी अतिरिक्त सुरक्षा, पंजाब सरकार से रिपोर्ट तलब-गृह मंत्रालय के मुताबिक पीएम की सुरक्षा के लिए सड़क से गुजरते वक्त अतिरिक्त सुरक्षा होनी चाहिए थी लेकिन यहां ऐसा कोई बंदोबस्त नहीं किया गया था। इसकी वजह से पीएम को वापस बठिंडा लौटना पड़ा।

हुसैनीवाला राष्ट्रीय स्मारक से 30 किमी पहले फ्लाईओवर पर रोका-गृह मंत्रालय के मुताबिक हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय स्मारक से 30 किमी पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा था। वहां पर कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर रखी थी। जिस वजह से पीएम वहां फंसे रहे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे बड़ी चूक माना है। यह भी पता चला है कि पीएम मोदी के सड़क मार्ग से गुजरने से पहले पंजाब पुलिस से क्लियरेंस ली गई थी। इसके बावजूद रास्ते में प्रदर्शनकारियों की तरफ से रास्ता जाम मिला।

कांग्रेस सरकार ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में घुसने की इजाजत दे दी : नड्डा -भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसकी वजह बताई है। उन्होंने रैली रद्द होने के बाद कई ट्वीट किए। लिखा- पंजाब की कांग्रेस सरकार विकास विरोधी है और उसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भी कद्र नहीं है। नड्डा ने आगे लिखा- जो सबसे ज्यादा परेशानी वाली बात थी, वो थी प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक का मसला। प्रदर्शनकारियों को पीएम के रूट में घुसने की इजाजत दी गई। जबकि पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी ने एसपीजी को भरोसा दिया था कि रास्ता सुरक्षित है। मसला सुलझे या इस मुद्दे पर कोई बात हो पाए इसके लिए पंजाब के मुख्य मंत्री चन्नी ने फोन भी नहीं उठाया। कांग्रेस सरकार जो तरीके इस्तेमाल कर रही है, उन्हें देखकर लोकतांत्रिक मूल्यों पर भरोसा करने वाले को दुख होगा।

झारखंड में भीषण सड़क हादसा

16 लोगों की मौत

- बस से भिड़ा गैस सिलेंडर से लदा ट्रक
- सड़क पर बिखर गए यात्रियों के शव

पाकुड़.

झारखंड के पाकुड़ में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई। साहिबगंज के बरहरवा से दुमका जा रही बस लिट्टीपाड़ा-अमड़ापाड़ा रोड पर पडेरकोला के पास गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक से टकरा गई। बस में कुल 55 से ज्यादा लोग सवार थे। इसमें करीब 31 लोग घायल हुए हैं। पाकुड़ एसपी एचपी जनार्दन ने कहा है कि 16 शव बरामद किए गए हैं। इसमें 12 की पहचान हो चुकी है। बस के अंदर से लोगों को निकालने का काम करीब 3 घंटे में पूरा हुआ।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ही गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। कई लोग बस के बाहर आकर गिर गए। बस में बैठे लोग कई लोग अंदर ही फंस गए। बस की बॉडी काटकर लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस का ड्राइवर अब तक जिंदा है। वह बस में ही फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना में मरने वाले लोगो की संख्या बढ़ने की आशंका है। गंभीर रूप से घायल 29 लोगों को रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कृष्णा रजत बस और एलपीजी सिलेंडर्स से भरे ट्रक में हुई टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही सबसे पहले स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। प्रशासन और पुलिस के पहुंचने से पहले ही वे राहत और बचाव के कार्य में जुट गए।

दुर्घटना में इनकी हुई मौत

नमिता देवी देवघर, निर्मल रतनपुर, विमला देवी दुमका, संजय साह दुमका,शहाबुद्दीन अंसारी लिट्टीपाड़ा,अमती रजवार पश्चिम बंगाल, द्रोनाथ हेम्ब्रम अमलपाड़ा, सुकांम करेकर बंगाली पाड़ा, साँग देवी साहिबगंज, मेलीशीत साहिबगंज, राकेश मंडल साहिबगंज, बबलु टुडू जिगती सहित कुल 16 लोग।

ये हुए घायल

सुनीता कुमारी, बासमती हेम्ब्रम, विक्रम दास, सुरेंद्र यादव, कुजला सेना, मेघनाथ रजवार, मंगल टुडू, राजेश चौबे, विकास साह, खीटी हेम्ब्रम, जोयन हांसदा, रामचंद्र साह, रामरजन मंडल, बडका मरांडी, अर्जुन बाकी, मुन्ना साह ऋषिदेव मंडल, इबरान नदान, विकास मरांडी, विनोद कुमार, कंचन घोष, सनोज कुमार, रोकी कुमार मंडल, मिथुन बाकनी, विष्णु बाकनी सहित 31 लोग।

पुलिस अधिकारियों का अनुमान, कोहरे के कारण हादसा

दुर्घटना की जांच करने पहुंचे पुलिस अधिकारियों की माने तो ऐसा लग रहा है कि कोहरे के कारण यह हादसा हुआ है। ट्रक चालक को सामने आती हुई बस नहीं दिखी। उसने सीधे बस में टक्कर मार दी। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय में बस में बैठे काफी लोग सो रहे थे। इस कारण किसी को संभलने तक का समय नहीं मिला।

नागौर जिले में आसमान से गिरा आग का गोला

खगोलीय घटना से दहशत में ग्रामीण

इलियास खान

रियांबड़ी(नागौर डेली न्यूज) : आपको जानकर यह हैरानी होगी कि नागौर जिले के रियांबड़ी तहसील की ग्राम पंचायत बडायली में चौंकाने वाली खगोलीय घटना का वीडियो सामने आया है। यहां मंगलवार की रात्रि में आसमान से जमीन पर आग के गोले गिरते देखे गए। इसे संभवतया उल्का पिंड या टूटता तारा भी कहते हैं लेकिन यह ज्यादातर आसमान में ही दिखते हैं। ताज्जुब इस बात का की पहली बार ग्रामीणों ने इन्हें जमीन पर आग के रूप में गिरते हुए देखा। जानकार लोगों का कहना है कि ये कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि बड़ी खगोलीय घटना भी हो सकती है। बडायली के ग्रामीणों ने बताया कि देर रात में अचानक से तेज धमाके की आवाज के साथ चमकती हुई रोशनी आकाश में गिरती हुई दिखी। ये क्या था, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। जानकारी अनुसार दो दिन पहले देर रात हुई यह पूरी खगोलीय घटना खेत के सामने बने एक होटल के सीसीटीवी में कैद हुई। सीसीटीवी में वीडियो में दिख रहा है कि आसमान में पहले चमचमाती हुई रोशनी दिखती है इसके बाद आसमान में ही तेज धमाके के साथ जमीन पर कुछ गिर जाता है। अनुमान यह हैं कि ये उल्का पिंड था। ये धरती के इतना पास आ गया कि जमीन से टकराते हुए एक खेत

में जा गिरा। हालांकि यहां के लोगों ने बताया कि इस घटना से फिलहाल यहाँ पर कोई भी नुकसान नहीं हुआ है और न ही मौके पर इसके कुछ पार्टिकल मिले हैं।

यह है मामला

खबर सामने आने व सोसियल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस वीडियो को लेह-लद्दाख साइटिस्ट टीम को भेजा गया। भेजे वीडियो में इस पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद टीम ने इसे लेह-लद्दाख में इंडियन एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्जर्वेटरी हेड से भी इसे शेयर किया। पहले उन्होंने बताया कि इस तरह की घटना होती रहती है, जो सामान्य है लेकिन जब उन्होंने इस वीडियो को गंभीरता से देखा तो वे भी चौंक गए। उन्होंने बताया कि ये नॉर्मल क्वाड्रेंटिड्स शावर (उल्का पिंड) से काफी बड़ा था लेकिन गनीमत रही कि ये हवा में ही फट गया। हालांकि इस वीडियो के आधार पर उन्होंने भी रिसर्च शुरू कर दी है। रिसर्च पूरी होने के बाद ही सच्चाई से रूबरू हो सकते है।

राजस्थान में बारिश और कड़ाके की ठंड

जयपुर.

राजस्थान में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ से बारिश हुई और कड़ाके की ठंड का लोगों को एहसास हुआ। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, गंगानगर में कई जगह अच्छी बारिश हुई। जयपुर में भी तड़के बूंदाबांदी हुई। सबसे ज्यादा जैसलमेर में 12.4 एमएम बारिश दर्ज हुई। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक बारिश का ये दौर 8 जनवरी तक चलने की संभावना है। 7 जनवरी को जयपुर समेत कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए बारिश के साथ-साथ ओले गिरने की आशंका जताई है।

प्रदेश के अधिकांश शहरों में मंगलवार रात से ही बादल छाने के बाद सर्द हवा चलने लगी। हालांकि तापमान बढ़ने से वातावरण में ठंड का असर कम रहा। गंगानगर, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़ में कल से लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश से ठिठुरन बढ़ गई। इधर, सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और नागौर में भी बीती रात से लेकर सुबह तक रुक-रुक हल्की बरसात हुई। सीकर, झुंझुनूं, एनसीआर एरिया अलवर में भी सुबह हल्की बारिश हुई।

जयपुर-जोधपुर में 8वीं तक के स्कूल 17 जनवरी तक बंद

शहरों के सभी सरकारी दफ्तरों में आधे कर्मचारी ही आएंगे

जयपुर.

प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच गहलोत सरकार ने फिर नई गाइडलाइन जारी की है। जयपुर और जोधपुर की शहरी सीमा में आने वाले आठवीं तक के सभी स्कूलों को 17 जनवरी तक के लिए बंद कर दिया है। सरकारी दफ्तरों में केवल 50 फीसदी कर्मचारियों को ही बुलाया जाएगा। बाकी कर्मचारी घर से काम करेंगे। सरकार ने प्रशासन गांवों के संग अभियान और प्रशासन शहरों के संग अभियान को कोरोना के कारण स्थगित करने का फैसला किया है। गृह विभाग ने नई गाइडलाइन जारी कर दी है। नई गाइडलाइन 7 जनवरी से लागू होगी। इससे पहले रविवार को भी गाइडलाइन जारी की गई थी। रविवार की गाइडलाइन में ही संशोधन कर नए प्रावधान जोड़े हैं। नए प्रावधानों के अनुसार अब सरकारी दफ्तरों में 55 साल और इससे ज्यादा उम्र के कर्मचारियों और दिव्यांग कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने पर पाबंदी लगा दी गई है। ऐसे कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करना होगा। इसके अलावा गाइडलाइन के पुराने प्रावधान ही लागू रहेंगे।

नाइट कर्फ्यू और मास्क पर सख्ती

नाइट कर्फ्यू और मास्क पर सख्ती शुरू होगी। शहरों में पुलिस के नाके लगाकर नाइट कर्फ्यू में बेवजह बाहर निकलने वालों के चालान और वाहन जब्त करने की कार्रवाई होगी। सार्वजनिक जगहों पर बिना मास्क नजर आने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

सम्पादकीय

उत्साह का टीका

लंबे इंतजार के बाद जब पंद्रह से अठारह वर्ष की आयु के किशोरों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ तो स्वाभाविक ही इसे लेकर उत्साह दिखा। पहले ही दिन चालीस लाख से अधिक किशोरों ने टीका लगवाया। दरअसल, टीके की उपलब्धता और किशोरों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों आदि के मद्देनजर सरकार ने इस दिशा में कोई कदम बढ़ाने से खुद को रोक रखा था। अब वे दुविधाएं दूर हो चुकी हैं। हमारे देश में किशोरों की खासी बड़ी आबादी है। उनका टीकाकरण न हो पाने की वजह से स्कूल-कालेज खोलने को लेकर भी रुकावट पैदा हो रही थी। अभिभावक इस बात से सशंकित थे कि बच्चों को स्कूल भेजें, तो संक्रमण का खतरा बना रहेगा।

ऐसा कई जगहों पर हुआ भी, जब स्कूल-कालेज खोले गए और बच्चे वहां गए, तो बड़ी संख्या में संक्रमित हो गए। फिर स्कूल बंद करने पड़े। पिछले दो साल से स्कूल-कालेज बंद रखने या आंशिक रूप से खोलने का नतीजा यह हुआ है कि बच्चों के सीखने की क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ा है। खासकर बोर्ड परीक्षाओं को लेकर फैसला करने में अड़चन आ रही थी। पिछले साल तो बोर्ड परीक्षाएं रद्द ही कर देनी पड़ी थीं। इस साल फिर से बोर्ड परीक्षाओं का समय नजदीक आ रहा है। ऐसे में टीकाकरण अभियान शुरू होने से बच्चे, अभिभावक, स्कूल और बोर्ड परीक्षा संचालित कराने वाली संस्था तक संक्रमण से सुरक्षा को लेकर कुछ आश्वस्त हो सकेंगे।

किशोरों के लिए शुरू हुए टीकाकरण अभियान में एक अच्छी बात यह भी है कि उनके लिए अलग से केंद्र बनाए गए हैं और स्कूलों में भी इसकी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। किशोरों को आगामी बोर्ड परीक्षा को लेकर चिंता है। वे चाहते हैं कि परीक्षाएं शुरू होने से पहले दोनों खुराक ले लें, ताकि प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे संक्रमण से बच सकें। इसलिए भी किशोरों में टीकाकरण को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। शुरू में जब टीकाकरण अभियान चला था, तो इसे लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई गई थीं, जिसके चलते बहुत सारे लोगों के मन में हिचक बनी हुई थी। मगर कोरोना की दूसरी लहर में देखा गया कि जिन लोगों ने टीका लगवाया था, उन पर कोरोना का असर घातक नहीं रहा। इससे भी लोगों में टीकों को लेकर विश्वास पैदा हो गया था। इसलिए भी बहुत सारे अभिभावकों की मांग थी कि किशोरों के लिए भी टीकाकरण अभियान जल्दी शुरू किया जाए। एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ने शुरू हो गए हैं और ओमीक्रान नामक नया बहुरूप भी तेजी से पांव पसार रहा है। कुछ विशेषज्ञ इसे तीसरी लहर मान रहे हैं।

आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में मामले और तेजी से बढ़ेंगे। पहली लहर में देखा गया था कि बच्चों और किशोरों पर कोरोना का बहुत असर नहीं हुआ था। मगर दूसरी लहर में वे भी भारी संख्या में चपेट में आए थे। इसलिए भी तीसरी लहर को लेकर एक भय का माहौल है। कोरोना का विषाणु जिस तरह अपना रूप बदल रहा है, उसमें उसके असर को लेकर कोई दावा करना आसान नहीं रह गया है। इसलिए जैसे ही किशोरों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ, वे पूरे उत्साह से टीकाकरण के लिए पंजीकरण करा रहे हैं। यह एक अच्छा संकेत है। अब सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह टीके की उपलब्धता बनाए रखने में किसी प्रकार की शिकायत नहीं आने देगी।

कोरोना महामारी ने हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने की बड़ी सीख दी है

कोरोना महामारी ने फरवरी 2020 के बाद जब भारत में अपने पांव पसारना शुरू किए थे तभी से यह देखने में आया था कि हिन्दू सनातनी परम्पराओं को अपना कर कोरोना महामारी के विपरीत प्रभाव को कम किया जा सकता है। कोरोना महामारी ने पूरे विश्व के लगभग सभी देशों को प्रभावित किया। कहीं-कहीं तो इस महामारी का प्रभाव इतना बलशाली रहा कि उस देश की जनसंख्या का बहुत बड़ा भाग इस बीमारी की चपेट में आकर संक्रमित हो गया। लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं तो चौपट हो ही गईं। भारत ने भी इस संदर्भ में कई चुनौतियों का सामना बहुत ही हिम्मत के साथ किया। हमारे देश में समाज के कई वर्गों पर कोरोना महामारी का व्यापक असर देखने में आया।

आज पूरा विश्व ही आश्चर्यचकित है कि भारत ने कोरोना महामारी की प्रथम एवं द्वितीय लहर का, विकसित एवं अन्य कई देशों की तुलना में, इतना सफल तरीके से सामना कैसे किया है। विश्व के कई देश तो आज कोरोना महामारी की तीसरी एवं चौथी लहर से जूझते नजर आ रहे हैं, परंतु भारत में अभी तक तो कोरोना महामारी नियंत्रण में दिखाई दे रही है एवं इसकी तीसरी लहर की सम्भावना अब कम ही नजर आ रही है। हां, अब आगे देखने की बात है कि ओमीक्रॉन का प्रभाव भारत पर किस प्रकार पड़ता है। कोरोना से संक्रमित परिवारों पर, स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले परिवारों पर, मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों पर, छोटे कारोबारियों पर एवं आर्थिक गतिविधियों पर अलग-अलग प्रकार का दबाव देखने में आया। परंतु देश में उक्त वर्णित वर्गों पर आई इन चुनौतियों का समाधान निकालने के प्रयास केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा मिलकर किए गए। पूरा देश ही जैसे एक परिवार की तरह एक दूसरे की सहायता में तत्पर हो गया। कोरोना महामारी के कारण समाज के विभिन्न वर्गों पर आये दबाव को सभी वर्गों ने मिलकर कम करने में सफलता पाई।

विशेष रूप से कोरोना महामारी के दूसरे दौर के वक्त जब भारी संख्या में देश के नागरिक इस महामारी से ग्रसित हो रहे थे एवं उनकी देखभाल के लिए उनके अपने परिवार के लोग चाह कर भी उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे क्योंकि संक्रमित मरीजों को अलग रखना जरूरी था। ऐसे माहौल में देश के नागरिकों में डर एवं अवसाद की भावना पैदा हो रही थी। कई परिवारों में तो माता-पिता दोनों का देहांत हो जाने के बाद जब बच्चे अनाथ हो गए एवं इनके देखभाल की समस्या पैदा हो गई एवं कई मध्यमवर्गीय परिवारों ने अपनी बीमारी का इलाज कर्जा लेकर कराया, ऐसे में वे परिवार भारी ऋण के बोझ के तले दब गए। ऐसे समय में देश के धर्मगुरुओं से लेकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में काम कर रहे महानुभावों ने समाज में आए उक्त दबाव को कम करने का भरपूर प्रयास किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क किया, उन्हें ढाढस बन्धाया एवं उनके मन में सकारात्मक विचारों का संचार किया। देश पर आए इस संकट के समय लगभग पूरा समाज ही एक दूसरे के साथ हिम्मत के साथ खड़ा रहा। कई लोगों ने तो रचनात्मक कार्यों को करते हुए अपने आप को व्यस्त रखने का प्रयास किया। कोई भी भूखा ना रहे कोई भी बगैर इलाज के ना रहे, इसके लिए प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से इन लोगों ने अपने आप को सेवा के कार्यों से जोड़ लिया। यह सब केवल भारत में ही सम्भव है क्योंकि हिन्दू सनातनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर विश्वास किया जाता है। कोरोना महामारी के फैलने के बाद पूरे विश्व को ही ध्यान में आया कि भारतीय योग, ध्यान, शारीरिक व्यायाम, शुद्ध सात्विक आहार एवं उचित आयुर्वेदिक उपचार के साथ इस बीमारी से बचा जा सकता है। भारतीय विचार परंपरा में प्रकृति को भी

भगवान का दर्जा दिया गया है। हम तो 'क्षिति जल पावक गगन समीरा' को मानने वाले लोग हैं। हमारी परंपरा में नदी, पर्वत और जल को पूजे जाने की परंपरा रही है। भारत में आज भी परम्परा अनुसार किसी भी शुभ अवसर पर प्रकृति को भी याद किया जाता है। इसके साथ ही, भारतीय ज्ञान परंपरा में जिन औषधियों की चर्चा मिलती है, आज वो अचानक बेहद महत्वपूर्ण हो गई हैं। आज पूरी दुनिया में भारतीय खान-पान की आदतों को लेकर विमर्श हो रहा है। भारत में तो हर मौसम के हिसाब से भोजन तय है। मौसम तो छोड़िए, सूर्यास्त और सूर्योदय के बाद या पहले क्या खाना और क्या नहीं खाना है, ये भी बताया गया है। आज श्वसन प्रणाली को ठीक रखने, जीवन शैली को संतुलित रखने की बात हो रही है। भारत में तो इन चीजों की एक सुदीर्घ परंपरा रही है। इस प्रकार अब ऐसा लगाने लगा है कि हमें अपनी भारतीय परम्पराओं की जड़ों की ओर लौटने का समय आ गया है। जैसे संयुक्त परिवारों की वापस व्यवस्था हो। संयुक्त परिवारों में पड़ौसियों को भी महत्व देना प्रारम्भ करना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पूरे मौहल्ले में रहने वाले परिवार मिलकर उस समस्या का समाधान निकाल सकें। मानसिक स्वास्थ्य भी इससे ठीक रहेगा। आज यदि हम ध्यान से देखें तो समझ में आता है कि वैश्विक स्तर पर कोरोना महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में हमारी भारतीय परम्पराओं की झलक स्पष्ट तौर पर दिखाई दी थी। जैसे मास्क पहनना (अहिंसा), अपने आस-पास स्वच्छता का वातावरण बनाए रखना (पवित्रता), शारीरिक दूरी बनाए रखना (भारत में व्याप्त हाथ जोड़कर अभिवादन करने की पद्धति को तो आज पूरे विश्व ने ही अपना लिया है), निजी तथा सार्वजनिक कार्यक्रमों में संख्या की सीमा का पालन करना (मर्यादित उपभोग), कर्फ्यू पालन जैसे नियम (अनुशासन) एवं आयुर्वेदिक काढ़ा सेवन, भाप लेना (भारतीय चिकित्सा पद्धति की ओर भी आज पूरा विश्व आशा भारी नजरों से देख रहा है), योग क्रिया करना (भारतीय योग को भी आज पूरा विश्व अपनाता दिख रहा है), टीकाकरण जैसे स्वास्थ्य के विषयों के बारे में व्यापक जनजागरण करना आदि का वर्णन तो सनातनी परम्परा एवं धर्म ग्रंथों, वेदों, पुराणों में भी दृष्टिगोचर होता है।

आज का राशिफल

मेष

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। सुख के साधनों पर व्यय होगा। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी।

वृषभ

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें।

कर्क

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह

वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

कन्या

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा।

तुला

सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पारिवारिक चिंता रहेगी।

वृश्चिक

धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु

नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मकर

ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में निवेश लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे।

कुंभ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

मीन

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

व्यापार समाचार

सेमीकंडक्टर की कमी के संकट के बीच दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट आई

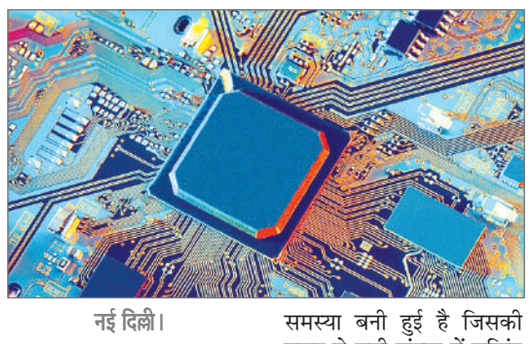

नई दिल्ली।

वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बुधवार को कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट आई है। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने 10.91 फीसदी गिरकर 2,44,639 इकाई पर आ गई जो दिसंबर 2020 में 2,74,605 इकाई थी। फाडा के अध्यक्ष विनकेश गुलाटी ने एक बयान में कहा कि दिसंबर के महीने में आमतौर पर अधिक बिक्री होती है क्योंकि विनिर्माता वर्ष बदलने के मद्देनजर वाहनों की बिक्री के लिए काफी छूट देते हैं। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और खुदरा बिक्री निराशाजनक रही। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी की समस्या बनी हुई है जिसकी वजह से बड़ी संख्या में बुकिंग के बावजूद बिक्री कम रही। पिछले महीने दो पहिया वाहनों की बिक्री भी कम रही। दिसंबर 2021 में 11,48,732 वाहनों की बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में हुई कुल 14,33,334 वाहनों की बिक्री के मुकाबले 19.86 फीसदी कम है।

हालांकि दूसरी ओर व्यावसायिक वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले 13.72 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले महीने कुल 58,847 वाहन बिके जबकि दिसंबर 2020 में 51,749 वाहन बिके थे। पिछले महीने विभिन्न प्रकार के कुल 15,58,756 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में बिके 18,56,869 वाहनों के मुकाबले 16.05 फीसदी कम है।

भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए ह्यूजेस, एयरटेल ने संयुक्त उपक्रम बनाया

नई दिल्ली।

ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स की अनुषंगी ह्यूजेज कम्युनिकेशंस इंडिया और भारती एयरटेल ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए संयुक्त उपक्रम की बुधवार को घोषणा की। एक बयान के मुताबिक इस उपक्रम (एचसीआईपीएल) के माध्यम से दोनों कंपनियों के वीसैट कारोबार को साथ लाया जाएगा और उपग्रह कनेक्टिवटी के जरिए प्राथमिक परिवहन, बैकअप और हाइब्रिड क्रियान्वयन संबंधी उद्यम नेटवर्किंग समाधान की पेशकश की जाएगी। एचसीआईपीएल के प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक पार्थो बनर्जी ने कहा, ''इस साझेदारी में, ह्यूजेस और एयरटेल की क्षमताओं के मेल का लाभ भारत के ग्राहकों को मिलेगा।'' इस समझौते की घोषणा मई 2019 में की गई थी।

कैसे ठप हुई श्रीलंका की अर्थव्यवस्था : चीन के कर्ज जाल में फंसी पड़ोसी देश की इकोनॉमी, भूख के खतरे के बीच लोग बेरोजगार

नई दिल्ली।

चीन के कर्ज में डूबे श्रीलंका की इकोनॉमी बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। महंगाई इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोग खाने-पीने का सामान खरीदने के लिए जूझ रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण खजाना लगातार खाली हो रहा है। फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व 10 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में लोन चुकाना श्रीलंका के लिए मुश्किल हो गया है और वह साल 2022 में दिवालिया हो सकता है। हालांकि, श्रीलंका की सरकार ने सोमवार को 1.2 अरब डॉलर (करीब 8 हजार करोड़ भारतीय रुपए) के इकोनॉमिक रिलीफ पैकेज की घोषणा की है। वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे का दावा है कि देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोन डिफॉल्ट नहीं करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि राहत पैकेज से महंगाई नहीं बढ़ेगी और कोई नया टैक्स भी जनता पर नहीं लगाया जाएगा।

चीन के कर्ज में डूबा श्रीलंका : देश को अगले 12 महीनों में 7.3 अरब डॉलर (करीब 54,000 करोड़ भारतीय रुपए) का घरेलू और विदेशी कर्ज चुकाना है। कुल कर्ज का लगभग 68% हिस्सा चीन का है। उसे चीन को 5 अरब डॉलर (करीब 37 हजार करोड़ रुपए) चुकाने हैं। पिछले साल उसने गंभीर वित्तीय संकट से निपटने में मदद के लिए चीन से अतिरिक्त 1 अरब डॉलर (करीब 7 हजार करोड़) का लोन लिया था, जिसका भुगतान किस्तों में किया जा रहा है।

श्रीलंका कैसे पहुंचा इस स्थिति में : टूरिज्म यहां के लोगों की आय का बड़ा जरिया है। करीब 5 लाख श्रीलंकाई सीधे पर्यटन पर निर्भर हैं, जबकि

20 लाख अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हैं। श्रीलंका की जीडीपी में टूरिज्म का 10% से ज्यादा योगदान है। टूरिज्म से सालाना करीब 5 अरब डॉलर (करीब 37 हजार करोड़ रुपए) फॉरेन करेंसी श्रीलंका को मिलती है। देश के लिए फॉरेन करेंसी का ये तीसरा बड़ा सोर्स है। कोरोना महामारी के कारण टूरिज्म सेक्टर ठप पड़ा है। दूसरी इकोनॉमिक एक्टिविटी भी प्रभावित हुई हैं। ज्यादा सरकारी खर्च और टैक्स कटौती ने भी रेवेन्यू कम कर दिया है। वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि महामारी की शुरुआत से 5 लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे आ गए हैं, जो गरीबी से लड़ने में पांच साल की प्रोग्रेस के बराबर है। रोजगार न होने के कारण मजबूरी में लोगों को देश भी छोड़ना पड़ रहा है।

सरकार की पॉलिसी से फूड शॉर्टेज : 29 अप्रैल 2021 को सरकार ने उर्वरक और कीटनाशकों के इंपोर्ट पर बैन लगा दिया था और किसानों को जैविक खेती करने के लिए मजबूर किया था। कई किसान उर्वरक और कीटनाशकों के उपयोग के बिना खेती करना नहीं जानते थे। ऐसे में कई लोगों ने नुकसान के डर से फसल नहीं उगाई। इससे एक्सपोर्ट कम हो गया और फॉरेन रिजर्व घट गए। हालांकि, अक्टूबर में सरकार ने अपने फैसले से यू-टर्न ले लिया।

आसमान पर पहुंची महंगाई : डोमेस्टिक लोन और फॉरेन बॉन्ड को चुकता करने के लिए पैसे की छपाई में तेजी ने महंगाई को एक महीने पहले के 9.9% से दिसंबर में 12.1% पर पहुंचा दिया है। कोलंबो कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों से पता चलता है कि फूड और नॉन फूड आइटम दोनों की वजह से महंगाई बढ़ी है। दिसंबर फूड प्राइस इंफ्लेशन 22.1% पर पहुंच गया है, जो एक महीने पहले 17.5% था। आयात पर प्रतिबंध भी महंगाई की वजह है।

श्रीलंका में इकोनॉमिक इमरजेंसी : नवंबर में रिकॉर्ड लेवल पर महंगाई पहुंचने के बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने देश में इकोनॉमिक इमरजेंसी घोषित की थी। इसके बाद चावल और चीनी सहित आवश्यक वस्तु सरकारी कीमतों पर ही बिके यह सुनिश्चित करने के लिए सेना को पावर दी गई, लेकिन इसने लोगों की ज्यादा परेशानियां दूर नहीं हुईं।

तीन के बजाय अब सिर्फ दो बार खाना : राजधानी कोलंबो के एक ड्राइवर अनुरुद्ध परानागमा ने कहा, बढ़ती महंगाई के कारण उसे अपनी कार का लोन चुकाने और अपनी रोजाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरी नौकरी करनी पड़ रही है, लेकिन इससे भी उसका खर्च पूरा नहीं हो पा रहा है। परानागमा ने बताया कि उनका परिवार अब दिन में तीन के बजाय दो बार खाना खाता है।

गुड ग्लैम समूह ने गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये का निवेश किया

नई दिल्ली।

गुड ग्लैम समूह ने गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी का निवेश किया है। इन्फ्लुएंसर प्रबंधन, विपणन और विश्लेषणात्मक मंच प्लिक्सो, मिसमालिनी, विंकल और विडोली गुड क्रिएटर कंपनी के रूप में एक साथ आए हैं। इस संबंध में जारी बयान के अनुसार प्लिक्सो, मिसमालिनी, विंकल और विडोली ने गुड ग्लैम ग्रुप से अलग होकर गुड क्रिएटर कंपनी का गठन किया था। बयान में कहा गया कि गुड ग्लैम ग्रुप ने गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये का प्रारंभिक पूंजी निवेश किया है।

90 साल का दबदबा खत्म : जनरल मोटर्स अब नहीं रही अमेरिका की बड़ी कंपनी, टोयोटा बनी नंबर वन

मुंबई।

अमेरिका की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी जनरल मोटर्स को नए साल में झटका लगा है। यह अब दूसरे नंबर की कंपनी हो गई है। जबकि जापानी ऑटो मेकर्स टोयोटा ने टॉप स्थान हासिल किया है।

2005 में टोयोटा चौथे नंबर पर थी : 2005 तक टोयोटा अमेरिकी बाजार में चौथे नंबर पर थी। लेकिन 2021 आते-आते यह स्थिति बदल गई। अमेरिका की दिग्गज ऑटो कंपनी जनरल मोटर्स 90 सालों से यहां नंबर वन कंपनी थी। यह सबसे ज्यादा कार बेचती थी। अब जापान की कंपनी टोयोटा ने उससे यह ताज छीन लिया है। इसने पिछले साल अमेरिकी बाजार में 23 लाख से ज्यादा गाड़ियां बेची। जनरल मोटर्स की तुलना में यह

पांच पर्सेंट यानी 114,000 ज्यादा गाड़ियां बेची।

कैमरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार : टोयोटा की कैमरी पिछले 20 साल से अमेरिका में सबसे ज्यादा बिकने वाली पैसेंजर कार बनी हुई है जबकि बेस्ट सेलिंग एसयूवी का तमगा पिछले पांच साल से उसकी गाड़ी आरएवी4 के पास है। अब जीएम फोर्ड और क्रिसलर की हिस्सेदारी घटकर 38% रह गई है। अगर इसमें टेस्ला को भी शामिल कर लिया जाए तो यह 40% पहुंचती है।

पिछले साल टोयोटा की अच्छी ग्रोथ : जारी आंकड़ों के अनुसार, जापानी कार निर्माता टोयोटा ने 2021 में अमेरिका में ऑटोमोबाइल में अच्छी ग्रोथ की। सेमीकंडक्टर्स की कमी ने जनरल मोटर्स को पीछे करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीएम का साल के 2021 के दौरान महत्वपूर्ण कंप्यूटर चिप्स की कमी के कारण चौथी तिमाही में बिक्री में गिरावट आई।

टोयोटा की बढ़त 10.4% : टोयोटा अभी भी अमेरिका में वार्षिक बिक्री में 10.4% बढ़त हासिल करने में सफल रही है। टोयोटा ने दो सबसे अधिक बिकने वाली सेडान, कैमरी और कोरोला की बिक्री में मामूली बढ़त देखी है।

पुराने प्रकरणों की पेंडेंसी रिकॉर्ड कम की, 5100 का नकद ईनाम मिला

एसएचओ अमरचंद को एसपी ने किया सम्मानित

राहुल वैष्णव

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्धारित मापदंड के अनुसार वर्ष 2021 में पुराने प्रकरणों का रिकॉर्ड निस्तारण करने पर गच्छीपुरा एसएचओ अमरचंद बाकोलिया को जिला एसपी अभिजीत सिंह एवं डेगाना डिप्टी नंदलाल सैनी ने सम्मानित किया हैं। थानाधिकारी बाकोलिया को 3.62 प्रतिशत तक पुराने अनुसंधान में पेंडेंसी कम रखने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक ने बतौर पारितोषिक 5100 रुपये नकद राशि सौंपी। एसएचओ बाकोलिया ने बताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति एवं टीम वर्क से कोई भी काम आसानी से किया जा सकता है। माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही, रात्रिकालीन गश्त व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने एवं अवैध शराब की धरपकड़ प्राथमिकता में है। थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ समझौता उसी की सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी।

कड़ाके की ठण्ड में भामाशाहों ने किए स्वेटर वितरित

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज़) । निकटवर्ती ग्राम जूसरी स्थित महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्वर्गीय खेमाराम किरडोलिया की स्मृति में कक्षा एक से पांच तक नामांकित 121 बालिकाओं को स्वेटर वितरित किए गए। भामाशाह धन्नाराम, देवाराम किरडोलिया के सानिध्य एवं उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कड़ाके की ठंड में स्वेटर पाकर बालिकाओं की खुशी देखकर भामाशाहों को भी संतुष्टि अनुभव हुई। इस अवसर पर भामाशाह रामकरण किरडोलिया ने कहा कि विद्यार्थियों विशेष रूप से बालिकाओं की सेवा ही सच्ची सेवा है, बालिकाओं की खुशी ही दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए कभी भी भौतिक संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी। संस्था प्रधान आशुतोष शर्मा ने भामाशाह परिवार का आभार प्रकट किया, व्याख्याता बख्तावर सिंह राजपुरोहित, रामनिवास किरडोलिया ने भी अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर मांगी लाल किरडोलिया, अमरा राम, रामुराम, लिछमण राम, गिरधारी राम, मूला राम, भंवर लाल किरडोलिया पूर्व जिला परिषद सदस्य, गणेशाराम भांबू, जैसाराम, रेंवताराम टांडी पूर्व सरपंच, कैलाश, नवीन किरडोलिया, सुभाष थोरी, प्रभू राम, अशोक भाटी, शंकर लाल यादव, रतनी देवी, विमला देवी, किस्तुरी, किरण कंवर, गीता देवी, शालिनी स्वामी, गजानंद कुमावत सहित अन्य उपस्थित थे।

हिराणी में भामाशाह के सहयोग से बनेगी स्मार्ट क्लास

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिराणी में भामाशाह स्वर्गीय भागीरथ शर्मा आयुर्वेदिकाचार्य एवं सेवानिवृत्त अध्यापक की पुण्य स्मृति पर इंद्रचंद शर्मा एवं मुरलीधर शर्मा ग्राम हिरानी ने स्थानीय विद्यालय में स्मार्ट क्लास के लिए स्मार्ट टीवी, 40 बच्चों के लिए फर्नीचर और पूर्व में भामाशाह के द्वारा निर्मित कक्षा कक्ष की मरम्मत की भी घोषणा विद्यालय में की है। प्रधानाचार्य राजेंद्र मुवाल ने बताया कि समय की मांग के अनुसार तकनीकी शिक्षा के लिए वर्तमान समय में स्मार्ट क्लास के लिए भामाशाह आगे आ रहे हैं। भामाशाहो से संपर्क किया तो उन्होंने पहल करते हुए स्मार्ट क्लास के लिए सहयोग किया है, हाल ही में स्मार्ट क्लास के लिए उन्होंने विद्यालय परिवार को टीवी, फर्नीचर मरम्मत सहित संपूर्ण खर्च भामाशाह परिवार द्वारा वहन किया जाएगा। प्रधानाचार्य मुवाल ने बताया कि बाद में स्मार्ट क्लास सभी कक्षाओं में लगाने की योजना है और अन्य भामाशाहो से संपर्क किया जा रहा है। इस दौरान में व्याख्याता मुन्नालाल रणवा, रूपाराम शेषमा, कालूसिंह, हीरालाल आदि उपस्थित रहे।

घर में लगी आग, घरेलू सामान व नकदी जलकर राख

मोहम्मद शहजाद

नागौर(नागौर डेली न्यूज़) । नागौर जिला मुख्यालय के निकट गांव छिला में देर रात एक घर में आग लग गई। आग में घरेलू सामान जल कर राख हो गया। छिला गांव के मघाराम पुत्र चुतराराम के घर में रात को आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाते तब तक आग अधिक फैल गई और उसमें घरेलू सामान जल गया। स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। परिजनों के अनुसार घर में रखा घरेलू सारा सामान जल कर राख गया है। घर में रखी पचास हजार रुपये की नकदी भी आग में जल गई। मघाराम ने बताया कि बाजरी, ग्वार, तिल, सहित अन्य सामान जो घर में था सब कुछ जलकर नस्ट हो गया है। पास रखा गाय के लिए रखा चारा भी पूरा जलकर खराब हो गया है।

अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास निर्माण का हुआ शुभारंभ

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : लम्बे समय के इंतजार के बाद आखिर बुधवार को बरसात की बूंदों के बीच अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ लाडनूँ विधायक मुकेश भाकर व भूमि दानदाता कांग्रेसी नेता लियाकत अली के हाथों नींव का पत्थर रखते हुए किया गया। इस से कुछ दिनों पूर्व ही अल्पसंख्यक समाज के मौजिज लोगों के बीच विधायक ने इस बात का भरोसा दिलाया था, जिसकी क्रियान्विति संगे बुनियाद के साथ विधिवत रूप से की गई। इस के निर्माण के लिए

ढाई करोड़ की लागत से बनेगा हॉस्टल

जहां दानदाता लियाकत अली खान ने अपनी जमीन अल्पसंख्यक विभाग को दान की, वहीं इस के संबन्ध में विधायक ने पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता जितेंद्र जांगिड़, अल्पसंख्यक विभाग के समाज कल्याण अधिकारी राजेंश कालवा व नगरपालिका लाडनूँ ईओ की बैठक लेकर अड़चनों को दूर करवाया। एईएन जितेंद्र जांगिड़ ने बताया कि भवन निर्माण की लागत 2 करोड़ 40 लाख रुपये आएगी व मनीषा कंस्ट्रक्शन कंपनी जयपुर यह निर्माण कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष रावत खान, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी राजेश कालवा, पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता जितेंद्र जांगिड़, वाईस चैयरमैन मुकेश खींची, शब्बीर खान लाड़वान, ठेकेदार अलानुर लंगा, शहरकाजी मुहम्मद मदनी अशरफी, पार्षद सत्तार खान, पार्षद नोशाद अली, इंसाफ खान, आमीन खान साबखानी, पार्षद मुनसफ खान, जाकिर खान, कासिफ बल्खी आदि बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन इंसाफ खान ने किया।

शेरानी आबाद में 74 छात्राओं को वितरित की गई साइकिलें

अली शेर खान

शेरानी आबाद(नागौर डेली न्यूज) : शेरानी आबाद कस्बे के आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की 74 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई। अध्यापक गनी मोहम्मद ने बताया कि कक्षा 9 की 32 व 10वीं की 42 छात्राओं को साइकिल वितरण का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल मदनलाल कलवानिया ने की। मुख्य अतिथि सरपंच शेर मोहम्मद शेरानी रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की निशुल्क साइकिल वितरण योजना से दूर-दराज से आने वाली बालिकाओं को इसका लाभ मिलेगा और वह आगे की पढ़ाई भी जारी रख सकेंगे सकेगी इस मौके पर सरपंच शेर मोहम्मद शेरानी, पूर्व व्याख्याता इब्राहिम खान, बिलाल खान, भगवानाराम प्रजापत, अब्दुल सत्तार, मोहम्मद रफीक, लुकमान खान, मोहम्मद अली, इकबाल खान, हुसैन खान,कँवरीलाल सैन,हाजी लुकमान खान, अली मोहम्मद, गौस मोहम्मद, व्याख्याता शकील अहमद,नत्थू मोहम्मद, पहलाद मीणा थानाराम गनी मोहम्मद सिराज अली खुशनुद अहमद,ज़ाकिर हुसैन सहित एसएमसी सदस्य, विद्यालय स्टाफ ग्रामीण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

15-18 वर्ष के विद्यार्थियों का हो शत प्रतिशत टीकाकरण

मोहम्मद शहजाद

मकराना (नागौर डेली न्यूज़) । कोविड-19 महामारी को मद्देनजर रखते हुए राजस्थान सरकार ने यह निर्णय लिया है कि बच्चे राष्ट्रीय धरोहर है अत: बच्चों का टीकाकरण करवाया जाए। इसी टीकाकरण अभियान के तहत शिक्षा विभाग मकराना के सीबीईईओ अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि राजकीय विद्यालयो में टीकाकरण अति शीघ्र करवाया जाए और इसके सकारात्मक प्रयास भी देखने को मिल रहे है परंतु निजी विद्यालय के बच्चे इस अभियान में पिछड़ रहे हैं अत: निजी विद्यालयों के अभिभावकों से अपील की जाती है कि इस उम्र के बच्चों को अधिक से अधिक टीकाकरण करवाएं ताकि इस महामारी से बचा जा सके।

निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अबू बकर बल्खी

लाडनूँ (नागौर डेली न्यूज) : राजकीय माध्यमिक विद्यालय सारडी में जल संरक्षण विषय पर जल स्वावलंबन पखवाड़ा के तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निबंध प्रतियोगिता में नीतू सैन प्रथम रही एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में मुस्कान प्रथम स्थान पर रही है पंचायती राज, वाटर शेड, मनरेगा, वन विभाग एवं जलदाय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राजीव गांधी जल संचय योजना अंतर्गत ग्राम पँचायत सारडी में जल संरक्षण पखवाड़ा का सारडी सरपँच लिछमादेवी की अध्यक्षता में शुभारंभ हुआ, जिसमें राजेश शर्मा सहायक अभियंता जलग्रहण की उपस्थिति में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

शेरानी आबाद में 100 बच्चों को लगा पहला टीका

अली शेर खान

शेरानी आबाद(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 15 से 18 वर्ष की आयु के किशोर किशोरियों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज बुधवार को लगाई गई। इस दौरान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर कमलेश सैनी के नेतृत्व में नर्सिंग स्टाफ ने विद्यालय में पहुंच कर छात्र छात्राओं को कोरोना वैक्सीन के टीके लगाए।इस दौरान विद्यालय स्टाफ का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस मौके पर नर्सिंग स्टाफ के सुरेश कुमार, हसीना बानो, गोमती, सुशीला, मोइनुद्दीन आदि स्वास्थ्य कर्मियों ने टीकाकरण किया। इस दौरान सरपंच शेर मोहम्मद शेरानी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को वैक्सीन को लेकर जागरूक किया। इस मौके पर प्रिंसिपल मदनलाल कलवानिया, व्याख्याता नत्थू मोहम्मद,शकील अहमद सहित विद्यालय स्टाफ पूर्व व्याख्याता इब्राहिम खान,मोहम्मद अली भुरावत, उप सरपंच अब्दुल सत्तार,लुक़मान खान सहित ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

शुद्ध के लिए युद्ध के तहत लिए सैंपल, लगाया जुर्माना

विभिन्न प्रतिष्ठानों पर दी दबिश देकर की जांच

मेड़तासिटी(नागौर डेली न्यूज) :

मेड़ता शहर में विभिन्न स्थानों पर शुद्ध के लिए युद्ध के तहत मिष्ठान भंडार, डेयरी तथा अन्य दुकानों पर सैंपल लिए और कानून सम्मत कार्रवाई की।

मौके पर मेड़ता तहसीलदार भागीरथ चौधरी ने बताया कि नागौर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी के निर्देशानुसार मेड़ता उपखंड अधिकारी शैतान सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में बनी टीम इसमें एसडीएम, तहसीलदार, सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश जांगिड़ प्रवर्तन अधिकारी देवाराम सारण बाट एवं माप विज्ञान निरीक्षक सुरेश डुकीया, लक्ष्मण कस्वां तथा नागौर डेरी के प्रतिनिधि की टीम सहित अन्य अधिकारियों ने मेड़ता के विभिन्न मिठाइयों की दुकानों, डेयरी प्रतिष्ठान, एवं अन्य जगहों पर घी दूध व मावे की मिठाइयों सहित खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए तथा दो मिष्ठान भंडारों पर नापतोल का कांटा असत्यापित पाए जाने पर दोनों प्रतिष्ठानों पर दो-दो हजार रुपय का जुर्माना लगाया गया, साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश जांगिड़ ने बताया कि खाद्य पदार्थों के सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने पर ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच दल की टीम का पता चलते ही खाद्य पदार्थों से संबंधित दुकानों पर दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

4 मोर मृत मिले, जहरीले दाने का शिकार होने का अंदेशा

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) : परबतसर के लावटा की ढाणी स्थित रोही में मंगलवार की रात्रि में एक साथ कई मोर मृत मिलने से सनसनी फैल गई। मोरों की शव मिलने की सूचना पाकर गोरक्षा दल की टीम मौके पर पहुंची तथा वन विभाग व प्रशासन को घटना की सूचना दी। वन विभाग के लालसिंह एवं पुलिस टीम से मुन्नालाल विश्नोई व रमेश शर्मा मौके पर पहुंचे। गिलोली सरपंच घीसालाल माली, पार्षद लोकेश मालाकार, नेमीचंद सैनी व ग्रामीण इस दौरान मौजूद रहे। वन विभाग की टीम ने मौके से 4 मृत मोरों शव बरामद कर उन्हें पोस्टमार्टक के लिए भेजा गया। माना जा रहा है कि शिकार के लिए जहरीला दाना डालकर इन पक्षियों की जान ली गई है।

जन प्रतिनिधि व अधिकारी मिलकर सुलझाएं जनता की समस्याएं : मिर्धा

पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में सदस्यों ने उठाये जन समस्याओं के मुद्दे

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज) । डेगाना विधायक विजयपाल मिर्धा के मुख्य आतिथ्य एवं प्रधान सुनिता चोयल राजापुरा की अध्यक्षता में बुधवार को पंचायत समिति डेगाना की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जन प्रतिनिधियों ओर अधिकारियों को अपने संबोधन में विधायक विजयपाल मिर्धा ने कहा की जन प्रतिनिधियों के द्वारा सदन में उठाये मुद्दों को अधिकारी बिना देरी किये निराकरण करें ओर विकास के कार्यो मे किसी भी प्रकार भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। बैठक मे पंचायत समिति सदस्य हनुमान जाजुन्दा, सुखराम धूण, राजेन्द्र ईनाणिया, जिला परिषद सदस्य मनीष चोधरी सहित सरपंचों ने बिजली, पानी, सडक, मनरेगा, राजस्व, पशुपालन, शिक्षा, चिकित्सा एंव स्वास्थ्य, कृषि, महिला एंव बाल विकास विभाग सहित सरकारी विभागों से संबधित जन समस्याओं के मुद्दे उठाकर उनका निराकरण समय पर ही कराने की मांग करते हुये प्रस्ताव रखें।

बैठक में विधायक विजयपाल मिर्धा, प्रधान सुनिता चोयल, एसडीएम मुकेश चौधरी, तहसीलदार रामनिवास बाना, बीसएमओ रामकिशोर सारण सहित सरकारी विभागों के अधिकारी, जिला परिषद सदस्य मनीष चौधरी, पंचायत समिति सदस्य ओर विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भाग लिया।

दो दिवसीय एसएमसी व एसडीएमसी शिविर का हुआ समापन

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : जवाहर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुचामनसिटी में दो दिववसीय एसएमसी व एसडीएमसी शिविर का बुधवार को समारोह के साथ समापन हुआ। द्वितीय दिवस की शुरूआत मां सरस्वती के पूजा अर्चन के साथ हुई। शिविर में ग्यारह विद्यालयों के एसडीएमसी व एसएमसी के सदस्यों ने भाग लिया। दक्ष प्रशिक्षक प्रतापसिंह, प्रधानाचार्य व श्रीमती सुनिता बड़गुजर ने विद्यालय विकास योजना, अभिभावक शिक्षक वार्तालाप, सामुदायिक जागरूकता वित्तीय नियम एवं लेखा प्रक्रिया और कोरोना काल में शिक्षा की निरन्तरता पर प्रभावशाली चर्चा की गई।प्रशिक्षण के द्वितीय कार्य दिवस के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जगदीश राय ने शिविर का अवलोकन किया व उपस्थित सदस्यों को सकारात्मकता से विद्यालय में अपना सहयोग देने की प्रेरणा दी।

स्थानीय विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्या श्रीमती मंजू चैधरी ने महिलाओं के विद्यालय से जुड़ाव की बात कही। इस अवसर पर एसडीएमसी सदस्य शिवराज मंडा, भगवती प्रसाद शर्मा, श्रीमती मृदुला ने अपनी उपस्थिति दी।

सरकार की योजनाओं का उठाए लाभ : मुंडेल

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज) । राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल डेगाना में बुधवार को साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रधानाचार्य पूनाराम महिया ने बताया कि बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कुल 33 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरधारी मुंडेल व पार्षद प्रकाश कुकणा रहे।

निजी विद्यालयों में लगी विद्यार्थियों को वैक्सीन की प्रथम डोज

मोहम्मद शहजाद

मकराना(मोहम्मद शहजाद) । राज्य सरकार के आदेशानुसार कोविड के प्रकोप को देखते हुए 15 से 18 आयु वर्ग के बच्चों को कोरोना से बचाव हेतु वैक्सीन की प्रथम डोज लगाई जा रही है। इसी के फलस्वरूप मकराना शहर व आसपास ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को भी निजी विद्यालय के संचालकों की देख रेख में विद्यार्थियों को वैक्सीन की प्रथम डोज लगाई गई। मकराना के माताभर रोड स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोरावड़ के राम राना पब्लिक स्कूल, मरुधर मोन्टेन्सरी सेकेंडरी स्कूल सहित अन्य निजी विद्यालयों में वेक्सिनेशन शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों का टीकाकरण किया गया। सम्राट स्कूल की प्रधानाचार्य किस्मत राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा दस से कक्षा 12वीं के विद्यार्थी जिनकी आयु 15 से 18 वर्ष के मध्य है उन्होंने स्वेच्छा और उत्साह पूर्वक वैक्सीन लगवाई है अन्य विद्यार्थी जो अपने माता-पिता से अनुमति लेकर वैक्सीन लगवाना चाहते हैं उनके लिए आगामी दिनों में वैक्सीन लगाई जाएगी। इस दौरान विद्यालय परिवार के साथ साथ टीकाकरण टीम में मेडिकल स्टाफ, डॉक्टर व अन्य मौजूद रहे।

सरकार की गाइड लाइन की सख्ती से करें पालना - हीरालाल भैंरुन्दा में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

हरसौर(राहुल वैष्णव) :

कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर की बढ़ती आशंका को लेकर प्रशासन भी सतर्क हो गया है। इसी के मद्देनजर बुधवार को थानाधिकारी हीरालाल के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों द्वारा पैदल फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस द्वारा ग्रामीणों व दुकानदारों को मास्क लगाने, सामाजिक दूरी बनाए रखने व कोरोना गाइड लाइन की सख्ती से पालना करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने बस स्टैंड से पुराना बस स्टैंड होते हुए होली दडा तक फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान हैड कानि रामकल्याण, सुखाराम, बनवारी, सोहनराम, मनीष, लक्ष्मण सहित पुलिस के जवान मौजूद रहें।

मौसम का बदला मिजाज, बरसात से बढ़ी ठिठुरन

जिलेभर में चला कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम का दौर, जनजीवन हुआ प्रभावित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : कुचामनसिटी सहित जिलेभर में बुधवार को पूरे दिन बारिश का दौर चला। जिले के अधिकांश हिस्सा में तो रात्रि में भी अच्छी होने के समाचार मिले। अल सुबह से ही सम्पूर्ण जिले में कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा। उपखंड क्षेत्र में हुई बारिश से जहां किसानों द्वारा बोई गई फसलों को फायदा पहुंचने की उम्मीद है वहीं ठिठुरण बढ़ने से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित दिखा। शिक्षा नगरी की स्कूलों व कोचिंगों में अन्य दिनों के मुकाबले चहल-पहल कम रही। छोटी क्लासों के बच्चों को तो परिजनों ने सर्दी में स्कूल भेजना भी मुनासिब नहीं समझा। शहर के बाजार, गलियां, चौराहे आम दिनों के मुकाबले सूने नजर आए। लोग अपने घरों में ही दुबके रहे। दुकानदार भी जल्दी दुकानों शटर नीचे पटककर घरों की ओर चल दिए। पूरे दिन सूर्यदेव के दीदार नहीं हुए। नतीजन बारिश के साथ-साथ चलने वाली ठंडी हवावों ने जनजीवन प्रभावित किया। वहीं काश्तकार इस मावठ को फसलों के लिए अच्छा मान रहे हैं।

बारिश से बढ़ी ठंड, बाजार सूने, अलाव बना सहारा

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। उपखंड सहित आसपास मंगलवार रात्रि से ही बारिश का दौर चल रहा है। बुधवार को सुबह से ही कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश का दौर जारी रहा। सुबह से शाम तक सूर्य के दर्शन नहीं हुए तेज हवाओं के साथ कहीं हल्की, कहीं जोरदार बारिश होने के समाचार मिल रहे हैं। मंगलवार देर रात से रिमझिम बारिस का दौर चल रहा था जो बुधवार को पुरे दिन जारी रहा। सर्दी का असर तेज हुआ सर्दी का असर तेज होने के कारण बाजार में ग्राहकों की रौनक फीकी रही, वही दुकानदार खाली बैठे नजर आए कई जगहों पर ग्रामीण वासियों ने अलाव जलाकर तपते नजर आए। सर्दी का असर बढ़ने से चाट पकौड़ी की दुकानों पर अच्छी खासी भीड़ दिखी। मोसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिन मौसम मावठ का रहेगा ओर सर्द हवा व बारिस के कारण सर्दी का असर तेज रहेगा। डेगाना शहर सहित किलोला, चांदारुण, कितलसर, जावला, डेगाना गांव, तिलानेस, ईडवा, सांजू सहित आसपास के गांवो में अच्छी बारिस के समाचार मिले बारिस से किसानो की फसल गेंहू, चना, तारामिरा को काफी फायदा होगा ओर अच्छी पैदावार की उम्मीद की जा रही है।

बारिश ने खोली प्रशासन, पालिका व पीडब्ल्यूडी विभाग की पोल

अबरार अली बेरी

डीडवाना(नागौर डेली न्यूज) : बीती रात से ही रह-रह कर हो रही हल्की बूंदाबांदी ने दोपहर होते होते तेज बरसात का रूप धर लिया नतीज़तन नगर में जहां मुख्य बाज़ार लबालब हो गया। बुधवार को दोपहर बाद हल्की बूंदाबांदी ने तेज रूप इख्तियार कर लिया इसके साथ ही पालिका की सफाई व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियरों की काबिलिय खुल कर दर्शन देने लग गयी। आपको बता दे कि नागौरी गेट से लेकर अंदर चोखण्डिया भैरव और बाहर कोर्ट परिसर तक सानिवि द्वारा निर्मित सड़को की ढलान पता नही इंजिनियरों ने किस अंदाज में ढाली की जल निकासी आज भी परेशानी का सबब बनी हुई है। वही नगर पालिका की सफाई व्यवस्था का तो आलम ही मत पूछो। नालों से उफनती गन्दगी ने सड़क और रंगोलियां उकेर दी वही प्रशासन की पॉलीथिन बेन पॉलिसी भी जमकर नृत्य करती देखी गयी। कुल मिलाकर बे-मौसम आई बारिश ने किसानों को फसलों की मार से उदास तो आम आदमी को गन्दगी, पानी भराव से परेशान ही किया है।

रबी की फसलों के लिए अमृत मावठ

श्यामसुन्दर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बुधवार को मावठ की बारिश हुई। सुबह उठते ही लोगों को हर जगह पानी-पानी नजर आया। सड़क और गड्ढों में इतना ज्यादा पानी था कि बारिश के मौसम जैसा एहसास हो रहा था।मावठ की यह बारिश एक ओर जहां फसलों के लिए बहुत ही लाभदायक है तो वहीं आमजन के लिए बढ़ती सर्दी ने परेशानी पैदा कर रही है। अचानक हुई बारिश ने लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर कर दिया। जिसका असर कस्बे के बाजार में देखने को मिला। दोपहर 12 बजे तक दुकानों पर ग्राहक नहीं पहुंचे थे। जहां देखो वहां लोग अलाव तापते ही नजर आए।दिन भर रुक रुक कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश से लोगों को पूरे समय तेज ठंड का एहसास होता रहा। इस दौरान दिन में भी अच्छी धूप निकली जिससे लोगों को कड़कड़ाती सर्दी से काफी हद तक राहत मिल गई थी। अलसुबह हुई बारिश ने एक बार फिर तेज सर्दी बढ़ा दी है, जिसके कारण कई लोगों ने बाहर जाने का कार्यक्रम तक स्थगित कर दिया।

कृषि विभाग के अनुसार मावठ की बारिश रबी की सभी फसलों के लिए बेहद लाभदायक है। क्योंकि इस समय फसल जिस स्टेज पर है, उसे पानी की बहुत ज्यादा जरूरत है। इस हल्की बारिश से पौधे की बढ़वार में मदद मिलेगी। इन दिनों किसान रात भर जागकर फसलों में पानी दे रहा था। ऐसे में उसे हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सामना भी करना पड़ रहा था, लेकिन अब मावठ की बारिश के बाद काफी हद तक किसानों को राहत मिली है।

कसुंबी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल खुलवाने की मांग

अबू बकर बल्खी

लाडनूं(नागौर डेली न्यूज) : कसूम्बी गांव में बड़ी आबादी का निवास होने के बावजूद यहां पीएचसी अस्पताल नहीं है, जिसको लेकर पंचायत समिति सदस्य ओम प्रकाश बागड़ा ने विधायक मुकेश भाकर को ज्ञापन सौंपकर कसुंबी व लोडसर की समस्याओं के बारे में अवगत कराया है। ज्ञापन में बताया गया कि कसुंबी तहसील की सबसे बड़ी आबादी वाला गांव है, जहां लगभग 10 हजार की जनसंख्या में लोग निवास करते हैं। इस गांव में चिकित्सा, पानी, खेल मैदान व सड़क से जुड़ी हुई अनेक समस्याएं हैं, जिनका समाधान नहीं होने से लोगों को अपनी जरूरतों के लिए लाडनूँ मुख्यालय या सुजानगढ़ का रुख करना पड़ता है। कसूम्बी के आसपास भी अनेक गांव लगते हैं, जिसके चलते यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल का होना अति आवश्यक है। इससे ग्रामीणों को दूरदराज चिकित्सा उपचार के लिए नहीं जाना पड़ेगा वहीं कसुंबी अलीपुर में होम्योपैथिक सेंटर होने के बावजूद कई दिनों से यहां चिकित्सक व कम्पाउडर के पद रिक्त हैं, जिसके चलते यह केंद्र अकसर बंद ही रहता है। यहां स्टॉफ नहीं होने से इस भवन का ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल पा रहा। इसके साथ ही कसुंबी नलीया में 2 किलोमीटर की दूरी पर डामर सड़क बनवाने की मांग की गई।

राठौड़ की सेवानिवृत्ती पर निकला भव्य जुलूस

श्यामसुंदर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी के निकटवर्ती ग्राम पंचायत खारड़िया के गजेंद्र सिंह राठौड़ भारतीय सेना की रजिमेन्ट राजपुताना राइफल में 17 वर्ष की देश सेवा कर सेवानिवृत्त हो गए। राठौड़ के भाई एडवोकेट धर्मेंद्रसिंह खारड़िया ने बताया की 2004 से निरन्तर 17 वर्ष की सेवा में गजेंद्र सिंह ने 12-13 वर्ष जम्मू कश्मीर में ही सेवारत रहे। सेवानिवृत्त के समय वो बीकानेर में सेवा कर सेवानिवृत्त हुए है। सेवानिवृत्त होने पर कस्बे में आगमन पर ग्रामीणो ने राठौड़ को माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। साथ ही खुले हुड की जिप्सी में जूलुस के साथ नगर परिक्रमा की। ग्रामीणों ने बैन्ड बाजे के साथ जगह-जगह पुष्प व गुलाल की वर्षा की। राठौड़ ने बताया कि देश के लिए सेवा करना किसी तप से कम नहीं है। आज युवाओं का जोश देश के मर मिटने का जज्बा काबिले तारीफ है।

जलदाय विभाग अपने कार्य शैली को सुधारें : एडीएम बुरड़क

पंचायत समिति के सभागार में साधरण सभा का आयोजन

कमल सैन

मौलासर(नागौर डेली न्यूज)। पंचायत समिति मुख्यालय पर बुधवार को पंचायत समिति सभागार में साधारण सभा का आयोजन अतिरिक्त जिला कलेक्टर रिछपाल सिंह बुरडक व प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नायब तहसीलदार कमलद्वीप पूनिया, विकास अधिकारी किशोर कुमार,अतिरिक्त विकास अधिकारी डाँ भंवरलाल गोदारा मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सर्वप्रथम विद्युत विभाग के अधिकारी को खरी-खोटी सुनाई। वही विद्युत विभाग के कर्मचारी पर मनमानी करने का आरोप भी लगाया गया।

वही सभी सरपंचों ने विधुत विभाग द्वारा कई ऐसे कार्यो के बारे मे बताया, जो कि अधूरे करके छोड दिये जाते है। वही छापरी कलां मे सरकारी स्कूल के पास लगी डीपी जो बदलने कि बात कही थी, वो अभी तक नहीं बदली गई। वहीं ग्राम पंचायत खाखोली के आईटी केन्द्र के उपर से 11 हजार केवी कि लाइन निकली हुई है, जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। अभी तक उसको हटाया नहीं गया। वहीं जिला परिषद सदस्य व पूर्व प्रधान जालाराम भाकर ने कहा कि जनता जल योजना के बकाया बिल उसका मुद्दा जिला परिषद की मीटिंग में उठा था, उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उसके अलावा ग्राम पंचायत भदलिया, निमोद, रसीदपुरा सहित अनेको गाँवो से विद्युत विभाग से सम्बधित चर्चा कि गई। वहीं पीएचडी व नहरी योजना से सम्बधित ग्राम पंचायत नुवां, निमोद, भदलिया, खाखोली, छापरी कलां, छापरी खुर्द सहित अनेक गाँवो से समस्या कि चर्चा की गई। इस पर डीडवाना अतिरिक्त जिला क्लेक्टर रिछपाल सिंह बुरड़क ने बैठक में उपस्थित अधिकारी को अपने कार्य शैली को सुधारने कि बात कही। वहीं कार्यो के प्रति लापरवाही नही बरते,कार्यो को समय पर करके दिखाने कि बात कही। वही बैठक में चिकित्सा सहित अन्य मुद्दे पर चर्चा की गई। इस मौके पर शिक्षा विभाग, जलदाय विभाग से भंवर सिंह, विद्युत विभाग, आयुर्वेदिक चिकित्सक रघुवीर सैनी, चिकित्सा विभाग से चिकित्साधिकारी डॉ. सुशील शर्मा, नहर योजना विभाग से एईएन नरेश कुमार, सरपंच संघ अध्यक्ष मौलासर श्रवणराम बिजारणियां, छापरी कलां सरपंच प्रतिनिधि अजीत पावटा, डाबड़ा सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप सिंह, खाखोली सरपंच गिरधारी लाल, जिला परिषद सदस्य जालाराम भाकर, राधा देवी, नुवा सरपंच रामस्वरूप गोदारा सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अपने ही विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भामाशाह बनकर आये शिक्षक

कमल सैन

मौलासर(नागौर डेली न्यूज)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम निमोद कि ढाणी में बुधवार को राजकिय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने अपने विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भामाशाह बनकर एक मिसाल पेश की है।

जानकारी केअनुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय कांकडिया नाडी निमोद में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा नागौर सुरेंद्र सिंह शेखावत, विशिष्ट अतिथि गौशाला अध्यक्ष भूराराम कूदणा व कार्यक्रम की अध्यक्षता में निमोद पीईईओ जितेंद्र सिंह नाथावत व स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक किशोर सिंह ने की। प्रधानाध्यापक किशोर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के कक्षा 1 से 5 तक के 27 बच्चों को शिक्षिका मधुलता सैनी ने ऊ नी कोट व प्रधानाध्यापक किशोर सिंह की तरफ से सभी बच्चों के चरण पादुका वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रसिंह शेखावत ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज का समय शिक्षा का समय है अगर विद्यार्थियों के पास शिक्षा की कमी आ गई, तो उनका जीवन असफल हो जाएगा।

ग्रामीणों के लिए नासूर बनी मुख्य सड़क

ग्राम पंचायत कोड़ के ग्राम नृसिंह बासनी में बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गांव का मुख्य मार्ग दे रहा है दर्द

लुकमान शाह

थांवला(नागौर डेली न्यूज) : थांवला क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोड़ के ग्राम नृसिंह बासनी में बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुका गांव का मुख्य मार्ग इन दिनों वाहन चालकों व राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। यहां मालूम ही नहीं चल पाता कि सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क। गंदे पानी की निकासी नहीं होने से पानी मुख्य सड़क पर इन गड्ढों में जमा होकर कीचड़ का रूप ले लेता है जिससे ग्रामीणों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं महिलाओं व बुजुर्गों का तो इस रास्ते से निकलना बिल्कुल दूभर हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या के बारे में कई बार ग्राम पंचायत और प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। इससे ग्रामीणों में पंचायत व प्रशासन के खिलाफ रोष व्याप्त है। गांव के आम रास्ते पर बिना बारिश के ही कीचड़ का पानी का भराव रहता है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण मुख्य मार्ग पर कीचड़ व जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ताज्जुब की बात तो यह है कि इस रास्ते से सरकारी स्कूल मुख्य मार्ग यही है। इससे बच्चों को बहुत परेशानी होती है। छोटे बच्चे फिसल कर गिर जाते हैं और गांव का मुख्य मार्ग भी यही है। ग्रामीणों को इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। आलम यह है कि ग्रामीण कीचड़ से ही होकर आवागमन करने को विवश हैं।

हल्की बूंदाबांदी हुई बारिश से स्थिति और भी दयनीय हो गई। स्थिति यह है कि मार्ग पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। वहीं मार्ग पर कीचड़ व फिसलन के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है।

दुर्गंध से ग्रामीणों का जीना दुश्वार

घरों का गंदा व बारिश का पानी मार्ग पर एकत्र होने से उठ रही दुर्गंध से ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो गया है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का भय बना है। ग्रामीणों ने बताया, कि आम रास्ते पर सीसी रोड बनाने और जल निकासी के लिए नाली निर्माण कराए जाने की अत्यंत आवश्यकता है। ग्रामीणों ने बताया कि रास्तों में कीचड़ व गंदगी जमा होने से मच्छर पैदा हो रहे है। इससे बीमारी फैलने का अंदेशा बना रहता है। ग्रामीणों ने गांव के रास्तों को सही कराने की मांग की है। बाइक सवार आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं। खास बात यह है कि गांव के सरपंच भी इसी गांव में रहते हैं बावजूद इसके परेशानी का हल नहीं ढूंढा जा रहा है।

इनका कहना है-'ग्रामीणों की शिकायत पर बार-बार इस मार्ग की सफाई की जाती है पर गंदे पानी की निकासी का सही मार्ग नहीं होने की वजह से गंदगी फैल जाती है। पीडब्ल्यूडी की रोड बनने के बाद कुछ ही दिनों के अंदर पानी निकासी की समस्या का स्थाई समाधान कर दिया जाएगा।'

ग्राम पंचायत कोड़ सरपंच नृसिंह बासनी

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com